International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क 2024: शैक्षिक संस्थानों की गुणात्मक और मात्रात्मक दशा व दिशा

डॉ. संदीप कुमार शर्मा[1], कुसुम लता[2]

[1,2]सहायक प्रोफ़ेसर, नैशनल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, सिरसा, हरियाणा

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क 2024 (नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ रैंकिंग फ्रेमवर्क ऐनआईआरअफ़ 2024) की घोषणा की गई है। इस वर्ष सभी संस्थानों को 16 श्रेणियों में बांटा गया जिनमें से समग्र संस्थान, यूनिवर्सिटी, मेडिकल इन्स्टिट्यूट, इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, लॉ इंस्टिट्यूट, आर्किटेक्चर इन्स्टिट्यूट, कॉलेज, रिसर्च इन्स्टिट्यूट, फार्मेसी इन्स्टिट्यूट, डेंटल कॉलेज, ऐग्रिकल्चर कॉलेज और इन्नोवेशन इन्स्टिट्यूट इसके अलावा इस साल तीन अन्य श्रेणियों को भी जुड़ा गया है जिसमें ओपन यूनिवर्सिटी, स्किल यूनिवर्सिटी और राज्य के वित्त पोषित सरकारी विश्वविद्यालय आदि । शिक्षा मंत्रालय द्वारा 29 सितंबर, 2015 को राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) की शुरुआत की गई थी, जिसके अन्तर्गत 2024 में नौंवी बार राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग (NIRF) जारी की गई है। संस्थानों की रैंकिंग में पहले मीडिया द्वारा दी गई रैंकिंग, संस्थानों से प्राप्त डेटा और वेब ऑफ साइंस, स्कोपस और इनोवेशन आदि स्रोतों का उपयोग करके वस्तुनिष्ठ मापदंडों और मेट्रिक्स का उपयोग किया जाता रहा है। पिछले नौ वर्षों में, डेटा संग्रह प्रारूप, मेट्रिक्स और तुलना पद्धतियों में लगातार सुधार किया गया है ताकि मानक, वस्तुनिष्ठ, वैधता व विश्वसनीयता आधारित परिणाम हासिल किया जा सके। ऐतिहासिक रूप में रैंकिंग की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आँकड़ों व सूचनाओं पर विशेष सावधानीपूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता रहती है। वर्ष 2024 की रैंकिंग प्रक्रिया में 100 संस्थानों को समग्र, 100 विश्वविद्यालय और 100 इंजीनियरिंग श्रेणियों में रखा गया है। इसके अलावा 50 राज्यपोषित विश्वविद्यालय, 100-100 जनरल कॉलेज , फार्मेसी कॉलेज और प्रबंधन संस्थान को जगह दी गई है। रिसर्च व मेडिकल 50-50 संस्थानों को जगह दी गई है। विधि। (लॉ), कृषि ,डेंटल ,वास्तुकला व योजना के 40-40 कॉलेज सूची में रखे गये है । इसके साथ साथ इनोवेशन के 10 संस्थानों को जगह दी गई है और 3-3 स्किल संस्थानों और ओपन यूनिवर्सिटी को पहली बार सूची में श्रेणीबद्ध किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा कुल 10845 संस्थानों की रैंकिंग जारी कि गई है।

रैंकिंग फ़्रेमवर्क पांच व्यापक मापदंडों के समूहों के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करता है, अर्थात् शिक्षण, सीखना और संसाधन (टीचिंग लर्निंग रिसोर्सेज़ ,टीएलआर), अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास (रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस,आरपी), स्नातक परिणाम (ग्रेजुएशन आउटकम,जीओ), आउटरीच और समावेशिता (आउटरीच एंड इनक्लूसिविटी,ओआई), और धारणा (पर्सेप्शन,पीआर)। इन मापदंडों में कुल प्राप्त अंकों के आधार पर संस्थान को रैंक दी जाती है। अंतिम रैंकिंग ढांचे में 19 पैरामीटर शामिल हैं, जिन्हें मापदंडों के पाँच व्यापक सामान्य समूहों में व्यवस्थित व संयोजित किया गया है। इनमें से कई पैरामीटर वैश्विक या ग्लोबल स्तर के मानकों के अनुरूप हैं, जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, सीखने और शोध के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि कुछ पैरामीटर भारत सामाजिक सांस्कृतिक आर्थिक पक्षों से विशिष्ट रूप में संबंधित हैं, जो इसकी बढ़ती उच्च शिक्षा आबादी की आकांक्षाओं को दर्शाते हैं। हमारे देश के विशिष्ट मापदंडों में क्षेत्रीय विविधता, आउटरीच, लैंगिक समानता और समाज के वंचित समूहों को शामिल करना शामिल है। रैंकिंग फ्रेमवर्क की मूल भावना और पैरामीटर, पिछले आठ वर्षों में अपनाये गये नियमों में मामूली बदलाव के साथ 2024 की रैंकिंग जारी की गई है। रैंकिंग हेतु प्राप्त आँकड़ो के आधार पर जारी की गई शीर्ष व क्रमबद्ध सूची के अन्तर्गत समग्र संस्थानों की सूची में आईआईटी मद्रास ने लगातार छठी बार प्रथम स्थान हासिल किया है इसके पश्चात् आइआइएससी बेंगलुरु, आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी खड़गपुर, एम्स नई दिल्ली, आईआईटी रुड़की, आईआईटी गुवाहाटी और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने क्रमश टॉप 10 में जगह बनाई है। भारतवर्ष में अगर विश्वविद्यालय की बात की जाए तो आईआईएससी बेंगलुरु ने प्रथम स्थान ओवरऑल रैंकिंग में प्राप्त किया है और एम्स दिल्ली ने मेडिकल लाइन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है जेएनयू दिल्ली ने समग्र संस्थानों की सूची में दसवाँ स्थान हासिल किया है। इसके अलावा टॉप 10 में सात आईआईटी शामिल हुए हैं। शीर्ष विश्वविद्यालय की सूची में आईआईएससी बेंगलुरु, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली, जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली, मणिपाल अकादमी ऑफ हाइयर एजुकेशन मणिपाल, बीएचयू वाराणसी, दिल्ली विश्वविद्यालय, अमृता विश्वविद्यालय, एएमयू अलीगढ़, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता तथा वीआईटी वेल्लोर शीर्ष 10 स्थान हासिल किए है, जो दर्शाता है की इन संस्थानों ने प्राप्त संसाधनों का उच्च स्तरीय प्रयोग किया है। शिक्षण अधिगम से लेकर शोध, पेटेंट , पब्लिकेशन , प्लेसमेंट , व्यवसाय , पुस्तकालय व्यवस्था, परीक्षा परिणाम व भौतिक संसाधनों का व्यक्तिगत लाभ विद्यार्थियों तक पहुँचाया है एवं गुणवता पूर्ण शिक्षा के उत्कृष्ट मानक स्थापित करते हुए शीर्ष रैंकिंग प्राप्त की है जो इन संस्थानों के प्रति विद्यार्थियों की विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करेगा व निकट भविष्य में दाख़िले हेतु ये संस्थान उनकी पहली पसंद रहेंगे। भारत ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐनआरआई विद्यार्थी संस्थान का चुनाव करते समय विशेष रूप से रैंकिंग व अन्य स्वायत्त संस्थाओं द्वारा

इंस्टीट्यूट को दी गई ग्रैड को ही पैमाना बना कर दाख़िले हेतु आवेदन करते है इसलिए राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ़्रेमवर्क की महता और भी बढ़ जाती है। राज्य विश्वविद्यालय की बात की जाए तो कुल टॉप 50 की सूची एनआईआरएफ द्वारा जारी की गई है जिसमें अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई प्रथम स्थान पर, यादवपुर यूनिवर्सिटी कोलकाता द्वितीय स्थान पर और सावित्रीबाई फूले यूनिवर्सिटी पुणे तृतीय स्थान पर रहा है।

देश के सभी शीर्ष विश्वविद्यालय के पश्चात् अगर शीर्ष कॉलेजों की बात की जाए तो ऐनआईआरअफ़ ने शीर्ष 100 कॉलेजों की सूची जारी की है जिसमें हिंदू कॉलेज दिल्ली, मिरिंडा हाउस दिल्ली, सेंट स्टीफन्स कॉलेज दिल्ली, रामकृष्णा मिशन विवेकानंद शताब्दी कॉलेज कोलकाता, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज दिल्ली, सेंट जेवियर्स कॉलेज कोलकाता, पी एस जी आर कृष्ण महिला कॉलेज कोयम्बटूर, लोयोला कॉलेज चेन्नई, किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली, लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमिन दिल्ली टॉप 10 कॉलेज की सूची में दिल्ली ने प्रथम 03 स्थानों के साथ 06 स्थानों पर नाम दर्ज करवाया है जो भारतवर्ष के सभी राज्यो से सर्वोच्च है । शीर्ष दस महाविद्यालयो में 06 स्थान हासिल कर उच्च शिक्षा में अपना दबदबा एक बार पुनः साबित किया है। यह अतिशयोक्ति नहीं है की आने वाले समय में भी देश भर के विद्यार्थियों में दिल्ली यूनिवर्सिटी व उससे सम्बन्धित कॉलेज पहली पसंद होंगे। शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में टॉप 10 मैं जिन संस्थानों ने जगह बनाई है उनमें आइआइएम अहमदाबाद ने प्रथम स्थान हासिल किया है इसके पश्चात क्रमशः आईआईएम बेंगलुरु, आईआईएम कोझिकोड, आइआइटी दिल्ली, आईआईएम कोलकाता, आईआईएम मुंबई, आईआईएम लखनऊ, आईआईएम इंदौर, एल आर आई जमशेदपुर, आईआईटी बॉम्बे शामिल है। इंजीनियरिंग श्रेणी में संस्थानों में आईआईटी का दबदबा रहा है आइआइटी मद्रास प्रथम स्थान के साथ, आईआईटी दिल्ली दूसरे स्थान, आईआईटी बॉम्बे तीसरे, आइआइटी कानपुर चौथे,आइआइटी खड़गपुर पांचवें, आइआइटी रुड़की छठे, आइआइटी गुवाहाटी सातवें, आइआइटी हैदराबाद आठवें स्थान पर रहे हैं, इसके अलावा एनआईटी तिरुचिरापल्ली आईआईटी , बीएचयू वाराणसी ने क्रमश: नौंवा व दसवां स्थान हासिल किया है। शीर्ष लॉ संस्थानों में मैं टॉप थ्री की बात की जाए तो नैश्नल लॉ कॉलेज ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरु, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली, नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद क्रमश प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे हैं। इसी के साथ वास्तुकला और योजना शीर्ष संस्थानों की सूची में आईआईटी रुड़की, आईआईटी खड़गपुर, एनआईटी कालीकट, आईआईईएसटी शिवपुर हावड़ा, स्कूल ऑफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली शीर्ष पाँच में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। इसके साथ इन्नोवेशन संस्थानों की सूची भी एनआईआरएफ 2024 द्वारा जारी की गई है जिसमें आईआईटी बॉम्बे प्रथम स्थान पर रहा, इसके बाद आईआईटी मद्रास द्वितीय, आइआइटी हैदराबाद तृतीय, आईआईएससी बेंगलुरु चौथे, आइआइटी कानपुर पाँचवें, आईआईटी रुड़की छठे, आइआइटी दिल्ली सातवें,

आइआइटी मंडी आठवें, आईआईटी खड़गपुर नौंवे व अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई ने क्रमश: टॉप 10 में जगह बनाई है।

भारत सरकार व शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्किल आधारित शिक्षा पर विशेष रूप से बल दिया जा रहा है जिसके अंतर्गत भारतवर्ष में स्किल संस्थानों को खोला जा रहा है ताकि विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उन्मुख शिक्षा से जुड़ा जा सके। स्किल संस्थानों की सूची में सिम्बाइओसिस स्किल एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पुणे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है वहीं श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी पलवल हरियाणा दूसरे स्थान पर व भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी जयपुर तीसरे स्थान पर रहे हैं। अगली सूची में ओपन यूनिवर्सिटी में इंदिरा गाँधी ओपन यूनिवर्सिटी दिल्ली को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है , नेताजी सुभास ओपन यूनिवर्सिटी कोलकाता दूसरे व डॉक्टर बाबासाहब अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी अहमदाबाद को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इंदिरा गाँधी नैशनल ओपन यूनिवर्सिटी भारतवर्ष में सर्वाधिक इनरोलमंट यानी दाख़िला संख्या वाला पहला विश्वविद्यालय है जिसकी 2023 में दाख़िला संख्या लगभग 43 लाख है, इसके साथ इग्नू विश्वविद्यालय नैक द्वारा भी ए ++ ग्रैड प्राप्त है जो अधिगमकर्ता की संस्थान के प्रति रुचि व विश्वसनीयता को बढ़ावा देता है।

श्रेष्ठ डेंटल कॉलेजों की एसआईएमटीएम चेन्नई प्रथम, मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस मनीपाल द्वितीय, मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइन्स दिल्ली तृतीय स्थान पर रहे हैं। वहीं अगर कृषि विश्वविद्यालय या संस्थानों की बात की जाए तो इंडियन ऐग्रिकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट दिल्ली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है, इनके पश्चात क्रमश नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल हरियाणा द्वितीय, पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना तृतीय, बीएचयू वाराणसी चौथे और इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली ने पांचवां स्थान हासिल किया है। वास्तुकला और योजना शीर्ष संस्थानों में आईआईटी रुड़की प्रथम स्थान पर रहा है इसके बाद आईआईटी खड़गपुर द्वितीय, एनआईटी कालीकट, कोझिकोड तृतीय, आईआईईएसटी शिवपुर हावड़ा चौथे, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली पांचवें स्थान पर रहे हैं।

वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के आँकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 1168 विश्वविद्यालय है। जिनमें 685 सरकार द्वारा वित्त पोषित है इनमें से 240 सरकारी विश्वविद्यालय केंद्र सरकार व 445 सरकारी विश्वविद्यालय राज्य सरकार से सहायता प्राप्त है, 10 प्राइवेट ऐडिड विश्वविद्यालय और 473 प्राइवेट विश्वविद्यालय है। इस समय हमारे देश में 17 महिला विश्वविद्यालय है और 18 ओपन यूनिवर्सिटी जिनमें 1 केंद्रीय, 16 राज्य सरकार एवं 1 प्राइवेट यूनिवर्सिटी है । अगर कॉलेजों की संख्या देखी जाए तो भारतवर्ष में 45473 कॉलेज व 12002 स्टैंड अलोन इंस्टीट्यूट है (स्त्रोत:आल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन 2022 रिपोर्ट अनुसार)। हमारे देश में 43 प्रतिशत विश्वविद्यालय और 61.4 प्रतिशत

महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित है। इन संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या लगभग 4.5 करोड़ है, जिनमें से महिलाओं की संख्या 2.15 करोड़ के लगभग है। शीर्ष सूची में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, वेस्ट बंगाल तथा राजस्थान है , जिनका इंरोलमनेट हायर एजुकेशन में लगभग 55 प्रतिशत है । इसके साथ शिक्षा मंत्रालय के आँकड़ो अनुसार उच्च शिक्षा में इनरोलमेंट 28.04 प्रतिशत है। इतने बहुसंख्यक संस्थानों में गुणवता आधारित शिक्षा व्यवस्था का संचालन करना निस्संदेह एक बड़ी चुनौती है । विद्यार्थियों को दाख़िला पूर्व संस्थान का चुनाव वरिष्ठता व गुणवता के आधार पर करने में राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क(ऐनआईआरअफ़) महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, जो विद्यार्थी को एक प्रत्यक्ष सूझ प्रधान करता है ताकि वह एक उत्कृष्ट संस्थान का चुनाव अपने ज्ञान व कौशल के अनुरूप कर सके ।इस समय ऐनआईआरअफ़ 2024 के आँकड़ों के अनुसार कुल 283887 (58.66 प्रतिशत) शैक्षिक स्टाफ़ में 166538 पीएचडी है और 117349 (41.34 प्रतिशत) मास्टर डिग्री है जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया व शोध को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। इनमें 165142 पुरुष और 118119 महिला स्टाफ़ है।वर्ष 2022-23 में कुल 35379 शोधार्थी पीएचडी पास हुए है जो विगत वर्ष से 09.91 प्रतिशत अधिक है।

हरियाणा में शैक्षिक संस्थानों की संख्या की बात की जाये तो हरियाणा में 56 विश्वविद्यालय के साथ कॉलेजों की संख्या लगभग 1340 है और एक भी कॉलेज का शीर्ष 100 की सूची में न आना चिंता का विषय है। यहाँ इन कॉलेज में लाखों की संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहें है। दूसरी और तमिलनाडु के लगभग 36 व दिल्ली के 27 कॉलेजो को देश के सर्वोच्च 100 कॉलेजो की सूची में स्थान मिला है । समग्र संस्थानों की श्रेणी में भी हरियाणा का कोई संस्थान 100 में नहीं है इसी श्रेणी में तमिलनाडु के 13 व दिल्ली के 06 संस्थान सर्वोच्च सूची में रहे है और विश्वविद्यालयों की शीर्ष 100 की सूची में मात्र 02 विश्वविद्यालय क्रमश:महर्षि मार्कण्डेश्वर मानित विश्वविद्यालय,अंबाला 71 व मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद 92 पायदान पर रहे है,इसी श्रेणी मेंतमिलनाडु के 20 और दिल्ली के सात विश्वविद्यालयो ने जगह बनाई है।राज्य वित्त पोषित सरकारी विश्वविद्यालय की शीर्ष 50 की सूची में हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों ने जगह बनाई महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय 35 वें स्थान, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र 41 वें स्थान पर, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार, 47 वें स्थान पर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार 48 वें स्थान पर रहे। इसी श्रेणी तमिलनाडु के कुल नौ विश्वविद्यालय ने अपनी जगह बनाई है जो की प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया व उच्च शोध गुणवता को दर्शाता है।विधि संस्थानों में हरियाणा का एकमात्र एमटी यूनिवर्सिटी गुड़गाँव संस्थान अपनी जगह बना पाया है।प्रबंधन संस्थानों की बात की जाए तो प्रबंधन विकास संस्थान गुरुग्राम 11 वें स्थान पर, भारतीय प्रबंधन संस्थान रोहतक 12 वें स्थान पर, ग्रेट लेक्स

इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गुरुग्राम 52 वें स्थान पर और बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी गुरुग्राम 83 वें स्थान पर रहे है। इंजीनियरिंग क्षेत्र के कॉलेजों में हरियाणा का राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र 81 वें स्थान पर रहा है, इसी श्रेणी में तमिलनाडु के 13 व दिल्ली के 07 संस्थानों ने सफलता हासिल की । फ़ार्मेसी संस्थानों में महर्षि मार्कंडेश्वर मानित विश्वविद्यालय, अंबाला, हरियाणा 26 वें स्थान पर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक 38 वें स्थान पर, गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार 55 वें स्थान पर और फ़ार्मेसी कॉलेज पंडित भागवत दयाल शर्मा , रोहतक 100 वें स्थान पर रहा है। इसी श्रेणी में तमिलनाडु के 12 कॉलेज ने जगह बनाई है।मेडिकल संस्थानों की सूची में महर्षि मार्कंडेश्वर मानित विश्वविद्यालय , अंबाला 35 और पंडित भगवत दयाल शर्मा विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक 50 वें स्थान पर रहे है, इसी श्रेणी में दिल्ली व तमिलनाडु के 7-7 कॉलेजो ने जगह बनाई है।डेंटल कॉलेज में हरियाणा के 02 कॉलेज स्नातकोत्तर दंतचिकित्सा विज्ञान संस्थान , रोहतक 23 और मानव रचना इंस्टिट्यूट 38 वें स्थान पर रहे इसके साथ तमिलनाडु के 9 कॉलेज इस श्रेणी में स्थान हासिल करके सर्वाधिक रैंकिंग वाला राज्य है। कृषि संस्थानों में हरियाणा के 04 संस्थान श्रेणी में आये है राष्ट्रीय डेयरी संस्थान करनाल कृषि संस्थानों में दूसरे स्थान पर रहा और विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय पलवल स्किल संस्थानों में दूसरे स्थान पर रहा है। वर्ष 2024-25 की दाख़िला प्रक्रिया सभी राज्यों के शिक्षण संस्थानों में चल रही है और हरियाणा में भी दो महीनों से दाख़िला प्रक्रिया जारी है। डायरेक्टर ऑफ़ हायर एजुकेशन हरियाणा के पोर्टल अनुसार अभी भी लगभग 50 प्रतिशत सीट ख़ाली है जिन्हें फ़िज़िकल काउंसलिंग के द्वारा भरने का विज्ञापन जारी हुआ है। यह इसलिए भी चिंता का विषय है कि वर्तमान में विद्यार्थी का रुझान नियमित शिक्षा की वजाये ओपन और डिस्टेंस शिक्षा की और ज़्यादा है। इसके अलावा नियमित यानी रेगुलर शिक्षा हेतु विद्यार्थी उच्च रैंकिंग व जो संस्थान रोज़गार उन्मुख शिक्षा प्रदान करते है उस संस्थान में दाख़िला लेने को प्राथमिकता देते है। दिल्ली स्थित लेडी श्री राम कॉलेज , हिंदू कॉलेज , मैरिंडा हाउस कॉलेज , सेंट स्टीफ़ेन कॉलेज इत्यादि छात्रों की पहली पसंद है।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयरमैन प्रोफेसर जगदीश चन्द्र ने हाल ही में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सेंटरल काउंसलिंग के बाद ख़ाली रही अधिकतर सीटों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि विश्वविद्यालयों को सीट भरने हेतु अथक प्रयास करने चाहिए क्योंकि एक भी सीट का ख़ाली रहना संसाधनों की हानि है।

उपरोक्त आँकड़ो के आधार पर व ऐनआरआईअफ़ दस्तावेज 2024 के अनुसार शीर्ष संस्थानों की सूची में डीम्ड व प्राइवेट विश्वविद्यालयों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है जो सराहनीय है और विषय की गंभीरता को दर्शाता निस्संदेह इन संस्थानों ने शैक्षिक सिद्धांतों का उचित रूप से पालन व नियमों का क्रियान्वयन किया है, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण रैंकिंग में किया गया इनका प्रदर्शन है। वही हरियाणा के संस्थानों का प्रदर्शन साधारण रहा है। शीर्ष कॉलेज की सूची में एक भी कॉलेज का न आना व समग्र संस्थानों की सूची

में पिछड़ना राज्य की गुणवता आधारित शिक्षा पर प्रश्न खड़े करता है, राज्य कुल 56 विश्वविद्यालय है जिनमें एक केंद्रीय विश्वविद्यालय भी है। यह रैंकिंग मात्र आँकड़ो तक सीमित नहीं है अपितु इसके मुख्य पाँच बिंदु शिक्षण अधिगम व संसाधन ,अनुसंधान एवं व्यावसायिक अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच एवं समावेशिता और सहकर्मी धारणा आदि में सीधे तौर पर पिछड़ना है। यह पाँच प्रमुख बिंदु जिनका पालन शिक्षा के परिणामों व उत्पाद को दर्शाता है व बढ़ावा देता है। इनका तात्पर्य है कि कक्षा- कक्ष अधिगम प्रक्रिया व शोध आधारित वातावरण में सुधार कि अत्यंत आवश्यकता है। पड़ोसी राज्यो का प्रदर्शन हरियाणा की तुलना में प्रभावी रहा है, दूसरी और व्यापक और समग्र विश्लेषण किया जाये तो दक्षिण राज्यों के शैक्षिक संस्थान गुणवत्ता , उत्पाद , शोध व व्यावसायिक शिक्षा में दूसरे राज्यों के संस्थानों से उतम है, अन्य संस्थानों को उनका अनुकरण करना चाहिए व उनके साथ सहभागिता बढ़ानी चाहिए ताकि देश के आर्थिक विकास को तीव्र गति मिल सके और बिरोज़गारी की समस्या से निपटा जा सके।

संदर्भ

1. https://www.nirfindia.org